हिंदी में रोजगार के अपार अवसर : डॉ जाधव

लोकमत समाचार सेवा

देगलूर महाविद्यालय में गुरुवार को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में मार्गदर्शन करते हुए साहित्यकार डॉ सुनील जाधव (बाएं) और कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय की छात्राएं (दाएं).

देगलूर: हिंदी के साहित्यकार डॉ सुनील जाधव ने कहा कि एक समय हिंदी को गैर रोजगार वाली भाषा समझा जाता था. परंतु मौजूदा समय में हिंदी भाषा ने इतनी प्रगति कर ली है कि आज हिंदी भाषा में भी रोजगार के अपार अवसर पैदा हो गए हैं.

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय देगलूर महाविद्यालय में गुरुवार को हिंदी दिवस समारोह एवं हिंदी साहित्य परिषद के उद्घाटन का समारोह धूमधाम से मनाया गया. इस मौके पर अपने संबोधन में डॉ जाधव ने कहा कि आज हिंदी भाषा किसी की मोहताज नहीं रह गई.

अपितु हिंदी भाषा का आज पूरी दुनिया में डंका बज रहा है. उन्होंने रोजगार के विविध अवसर पर अपनी बात रखी. साथ ही हिंदी को साहित्य, ज्ञान- विज्ञान, व्यापार-व्यवसाय और रोजगार की भाषा बताई. उन्होंने रोजगार के आठ क्षेत्र पर विस्तार से अपनी बात रखी. जिनमें अध्यापन, अनुवाद, लेखन, सरकारी नौकरी, मीडिया पत्रकारिता, ई प्रौद्योगिकी, अभिनय, प्रेरक वक्ता आदि रहे. वहीं हिंदी विषय से संबंधित विभिन्न कविताओं से छात्रों में उत्साह का संचार किया.

इस अवसर प्रधानाचार्य डॉ मोहन खताल, प्रमुख अतिथि के रूप में उप प्रधानाचार्य डॉ अनिल चिद्रावार, विशेष वक्ता के रूप में हिंदी विभाग प्रमुख डॉ संतोष येरावर, प्रा खन्दकुरे वेंकट और डॉ परवीन शेख उपस्थित थे. कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचन्द की प्रतिमा के पूजन से हुई. उसके बाद डॉ शेख परवीन ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी अतिथियों का स्वागत किया. पश्चात छात्रों द्वारा लिखे गए भित्ति पत्रिका 'सृजन' का अनावरण प्रमुख अतिथि के करकमलों से संपन्न हुआ. महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ संतोष येरावर ने अपनी प्रस्तावना में महाविद्यालय की परंपरा और हिंदी को लेकर अपनी बात रखी, जिनमें उन्होंने कहा कि हिंदी 165 विश्वविद्यालय में पढ़ाई जाती है. आगे हिंदी को खूब स्कोप मिलेगा. इस अवसर अवसर पर एमएम चमकुड़े ने हिंदी की व्यापकता पर छात्रों को मार्गदर्शन किया. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महाविद्यालय के हिंदी साहित्य परिषद के वैष्णवी, जयश्री, संगीता, दुपता, राजेश, कोमल, पूजा, वैष्णवी, संस्कृति, कविता, कोमल, ज्योति आदि ने परिश्रम किया.

Scanned with OKEN Scanner